बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

पौलुस की अद्भुत यात्रा

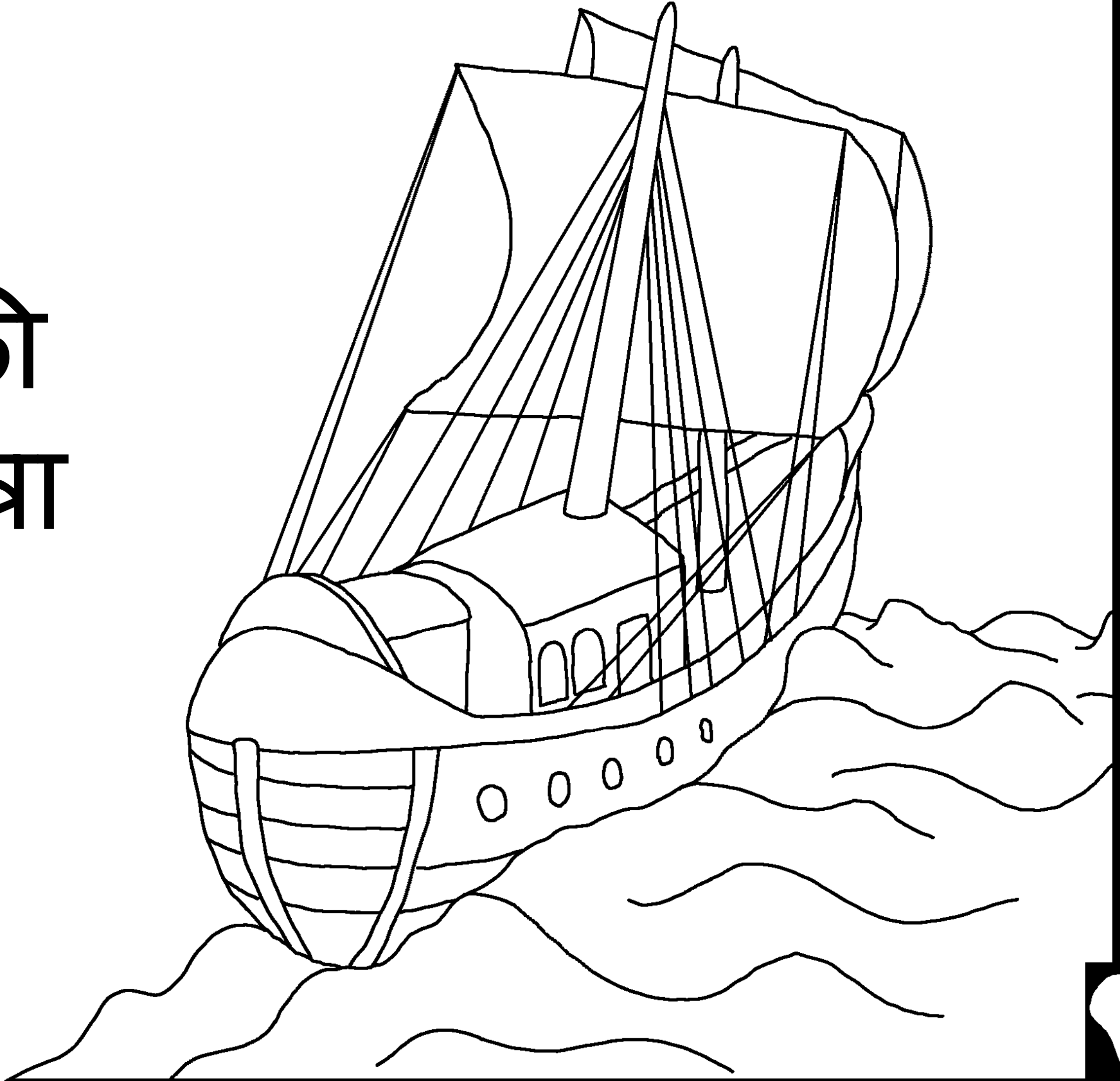

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest
Alastair Paterson

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2024 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

पौलुस और सीलास, यीशु के सेवक, जेल में थे। नहीं, वे कुछ भी गलत नहीं किये थे - वे केवल एक महिला के अंदर से दुष्टआत्मा को बहार निकाले थे। वे फिलिप्पी में मूर्ति पूजकों को - सच्चे परमेश्वर और उनके पुत्र यीशु की शक्ति के बारे में लोगों को बताये। केवल इतना के लिए वे गिरफ्तार कर लिए गये, उनपर मार पड़ी, और बंदीगृह में डाल दिए गए थे।

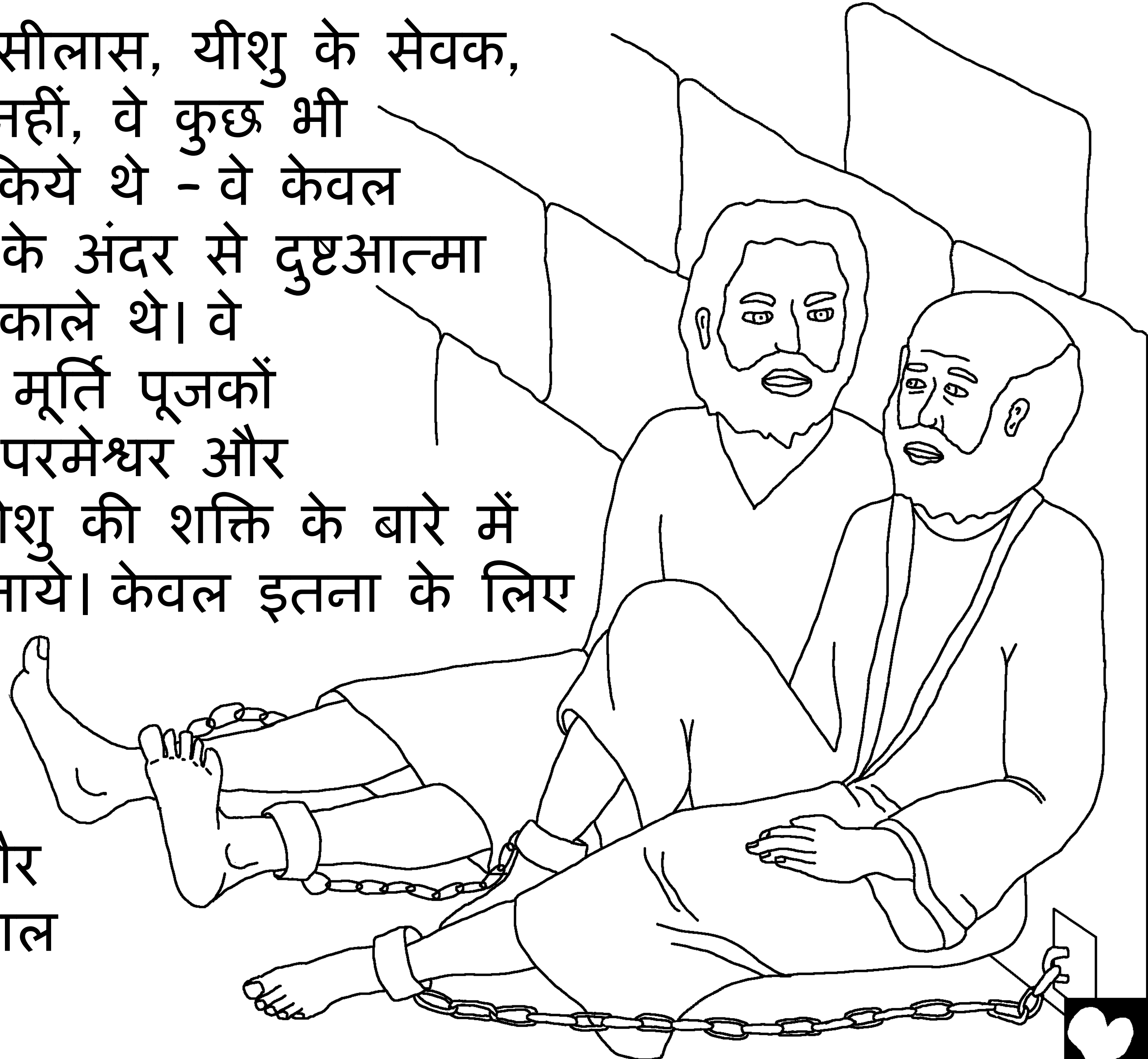

आप उम्मीद करेंगे कि पौलुस और सीलास क्रोध में और कड़वाहट में होंगे लेकिन नहीं, वे ऐसा नहीं किये। इसके बजाय वे आधी रात को परमेश्वर कि स्तुति के भजन गा रहे थे! अन्य सभी कैदियों ने और जेलर उन्हें सुना।

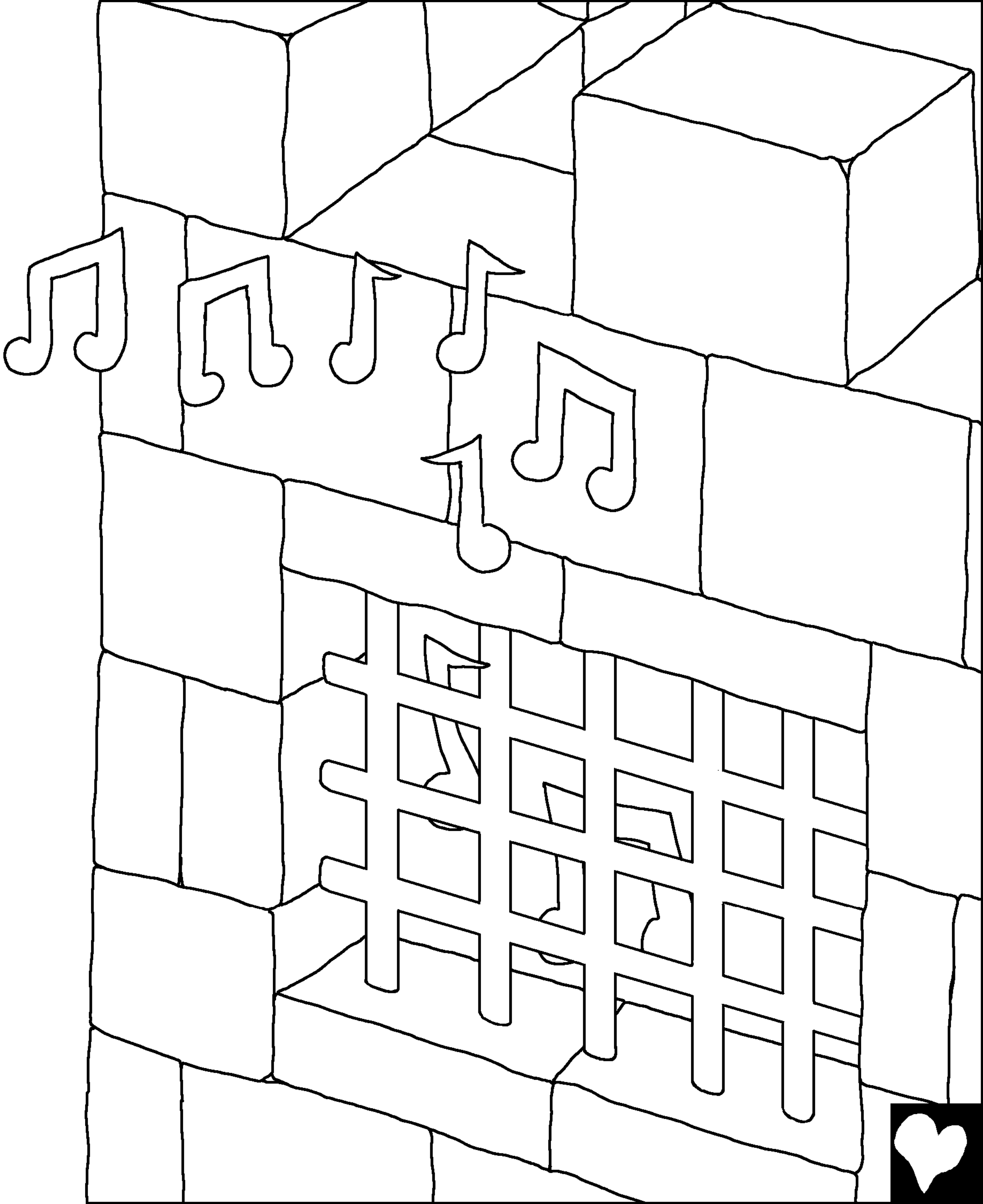

अचानक, गाना बंद हो गया। परमेश्वर ने जेल हो हिलाने के लिए एक भूकंप भेजा। सभी दरवाजे खुल गये हर किसी की चेन खुल गयी।

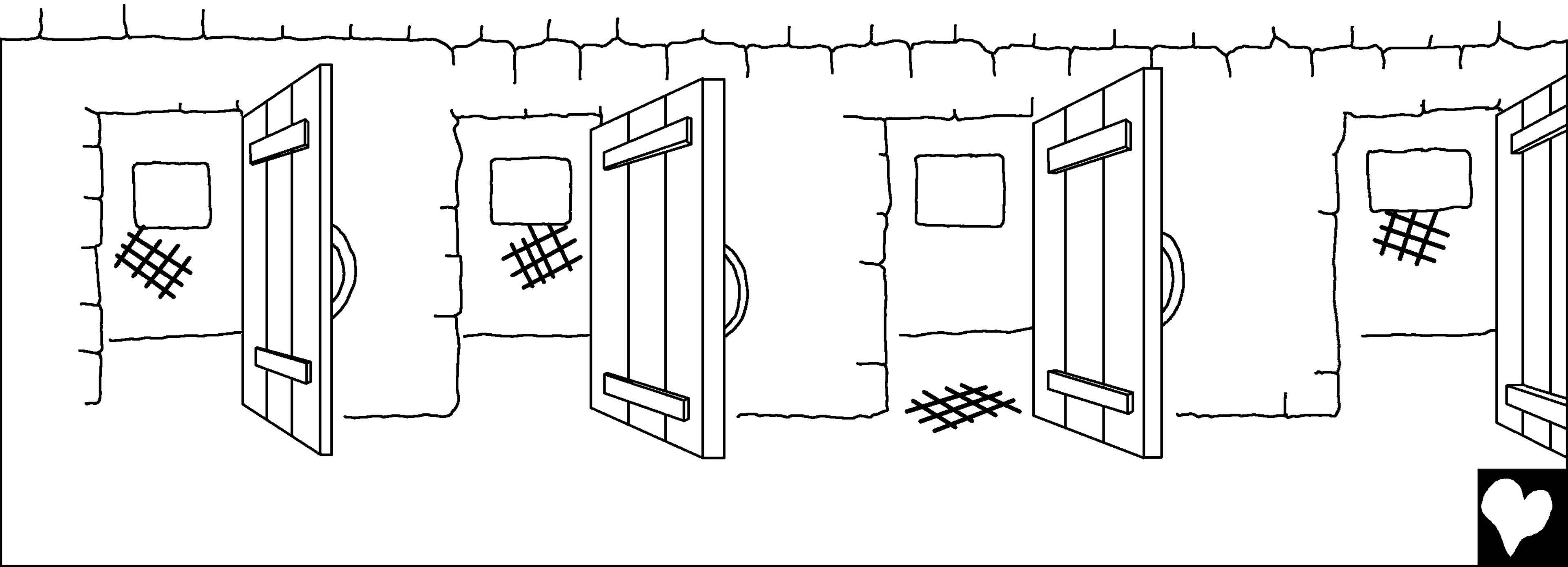

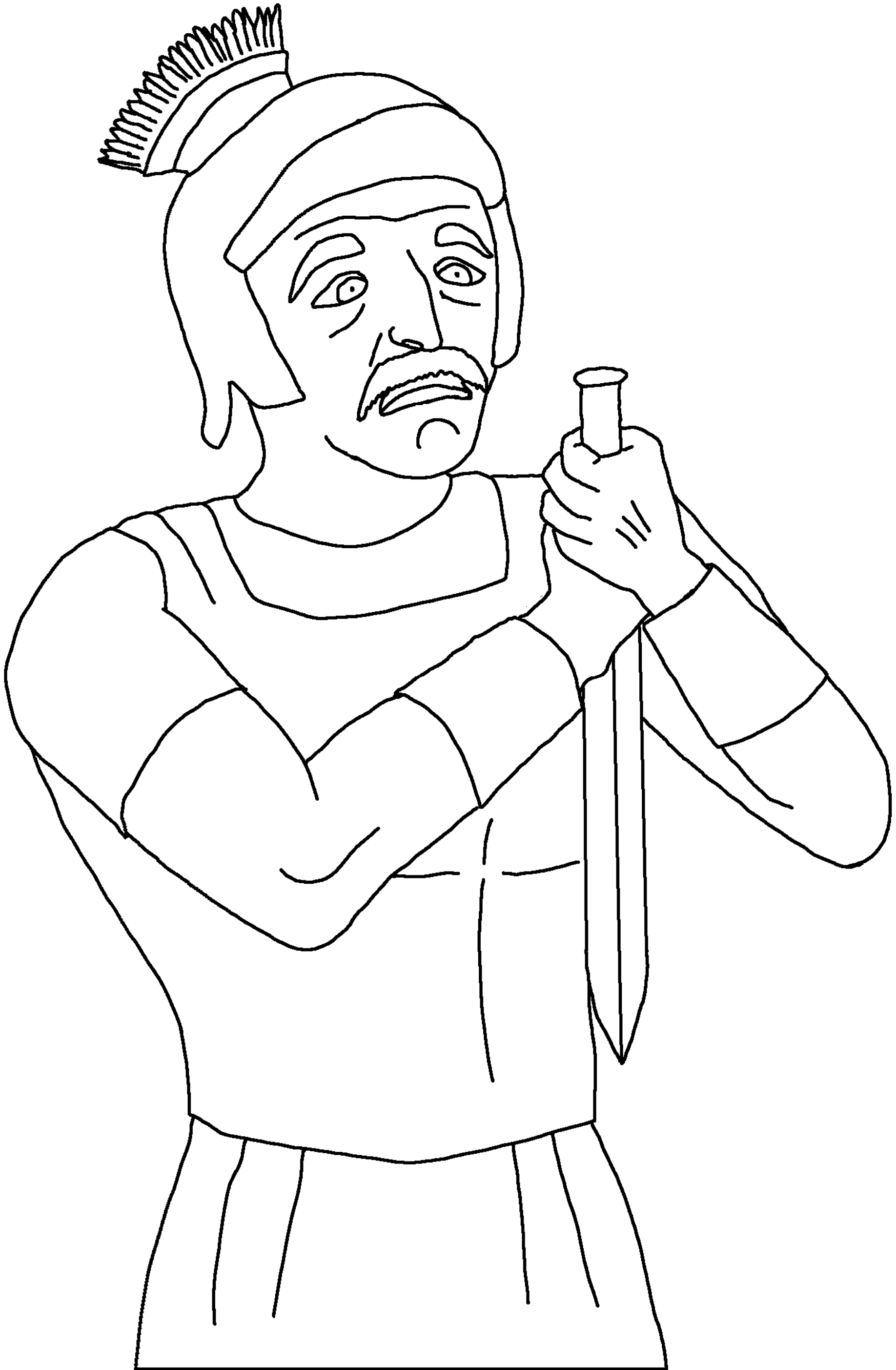

ओह - ओह! जेलर
को यकीन था की सभी
कैदी इस हलचल में
भाग गए होंगे। यदि
एक भी भाग जाता तो,
जेलर को मौत के घाट
उतरना होता। अफसोस
की बात है, असहाय
जेलर ने अपनी तलवार
बाहर खींच निकला। वह
बचे हुओं को मारता
और फिर खुद को मार
कर अपने आप
को खत्म कर
सकता था।

लेकिन पौलुस ने कहा,
"हम सब यहाँ हैं, अपने
आप को कोई नुकसान
मत पहुंचा।" जब जेलर ने
उन्हें देखा तो कहा,
"श्रीमान, उद्धार पाने के
लिए मै क्या करूँ?" तब
उन्होंने कहा, "प्रभु यीशु
मसीह पर विश्वास कर, तो
तू और तेरा घराना उद्धार
पायेगा।" आनन्द से,
जेलर ने ग्रहण किया।

अगले दिन उन्हें छोड़ दिया गया, पौलुस और सीलास यीशु के बारे में लोगों को बताते हुवे, कई अन्य शहरों की यात्रा किये। कुछ लोगों ने उनपर बिस्वास किया पर दूसरों ने उन्हें चोट पहुँचाने की कोशिश की। लेकिन परमेश्धर उसके सेवकों के साथ था। एक रात, पौलुस घंटो प्रचार किया। एक खुली खिड़की पर बैठा एक युवक सो गया। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं, क्या हुआ होगा?

हर कोई जनता था कि युवक मर चुका था। लेकिन पौलुस नीचे गया और यह कहकर उसे गले लगा लिया, "उनका जीवन उस में है।" वह युवक में पुनः जीवन लाया, और वे बहुत खुश थे।

यूरोप में यात्रा के दौरान पौलुस और सीलास कई कारनामें किये। सबसे बड़ी रोमांच घटना तब हुई जब पौलुस एक जहाज पर था। ये स्टील के समुद्री जहाजों में से नहीं थे, लेकिन वे पाल नौकायें थीं जो, तूफानी मौसम में आसानी से टूट जाया करती थी।

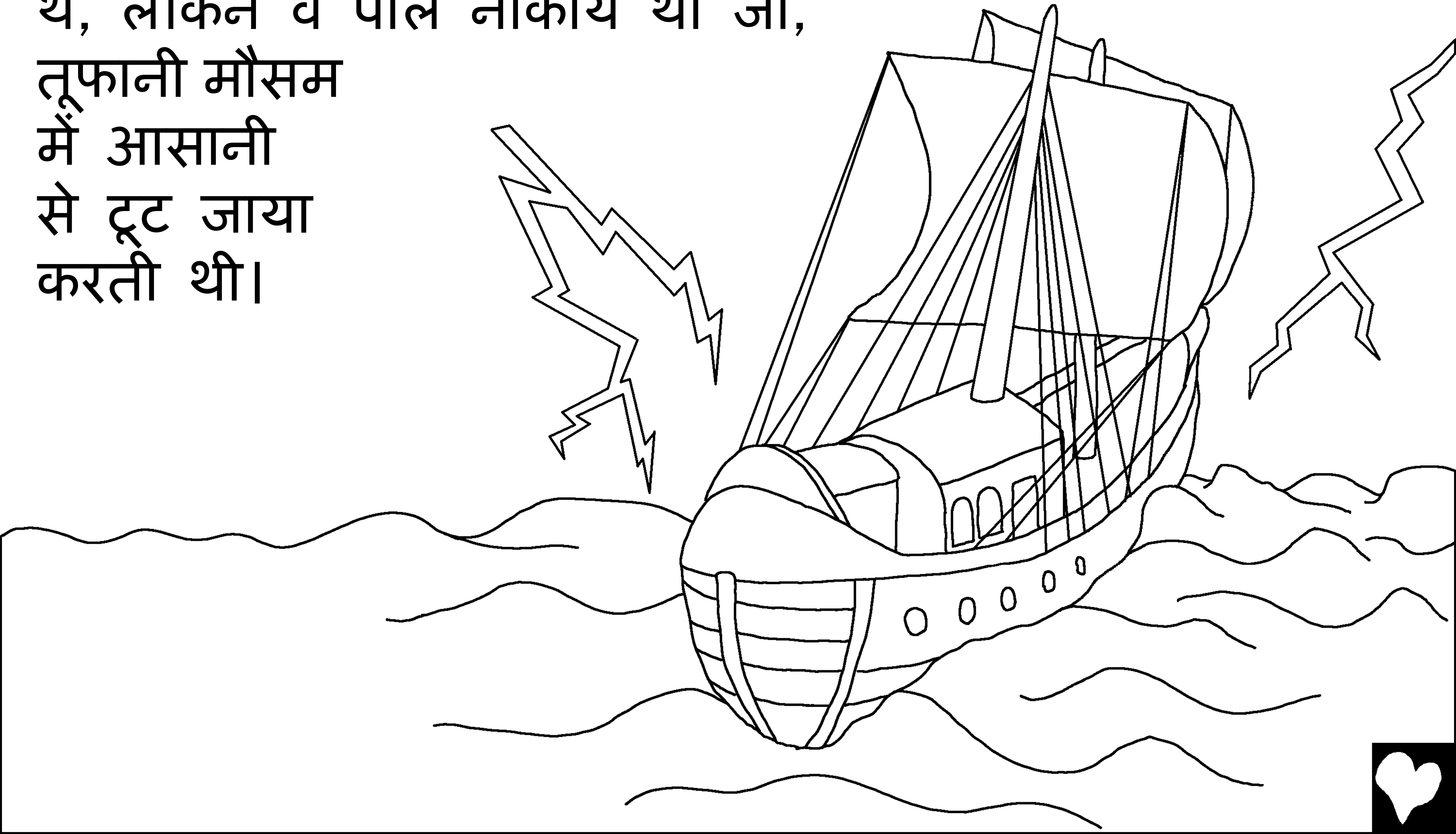

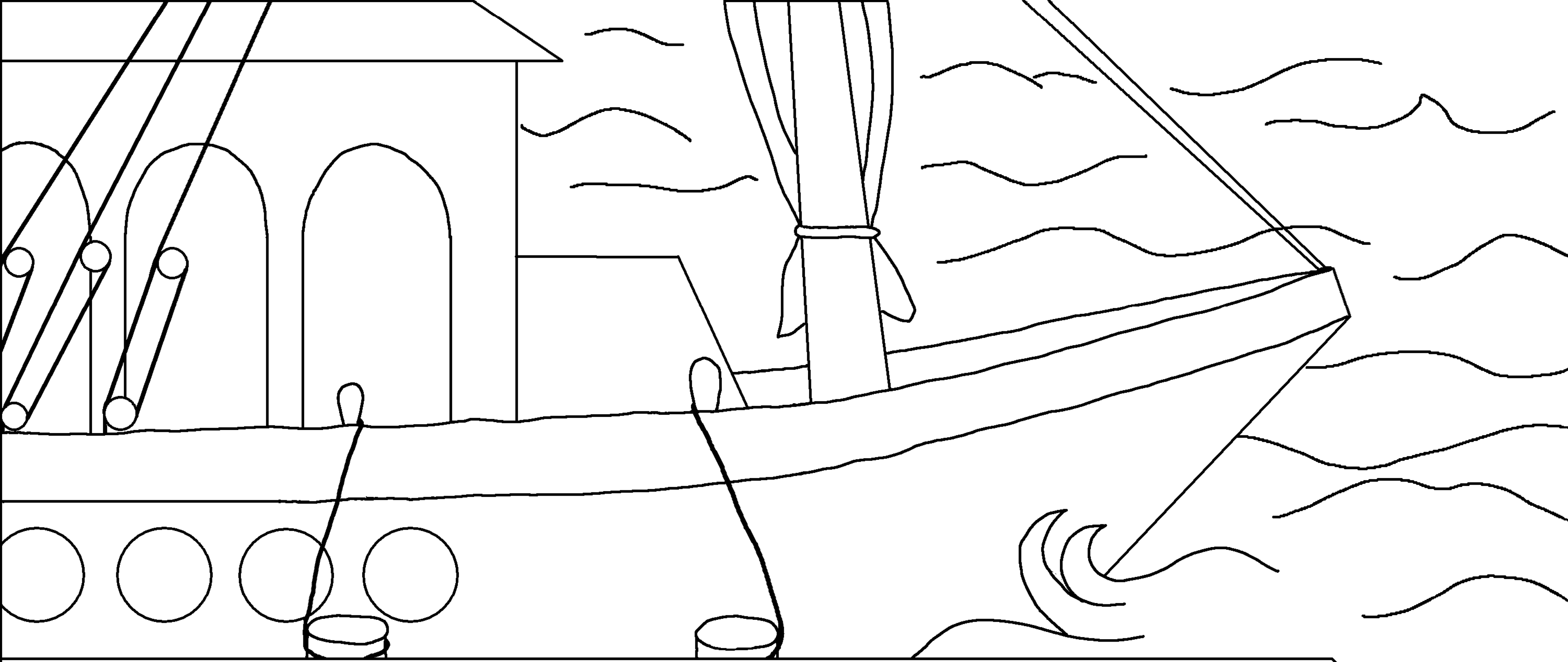

पौलुस जहाज पर था क्योंकि वह फिर से गिरफ्तार कर लिया गया था। अब वह रोम, दुनिया की राजधानी में सम्राट के समक्ष पेश होने वाला था। तीब्र हवाओं ने जहाज को धीमा कर दिया। ऐसा जान पड़ता था कि तूफानी मौसम आगे की ओर ही था। यह पौलुस, अन्य कैदियों और चालक दल के लिए एक कठिन यात्रा था।

"हे पुरुषों, मैं इस यात्रा को आपदा के साथ खत्म होता देखता हूँ" पौलुस ने चेतावनी दी। परन्तु कप्तान ने नहीं सुना। समुद्र के अंदर वे चले गए। एक बहुत बड़ा तूफान उन्हें घेर लिया, वे इस आशा से जहाज को पूरी तरह से रस्सियों से बाँध दिए; वह जहाज को टूटने से बचायेगा। यदि जहाज टूटता तो, सभी के लिए पानी एक कब्र था।

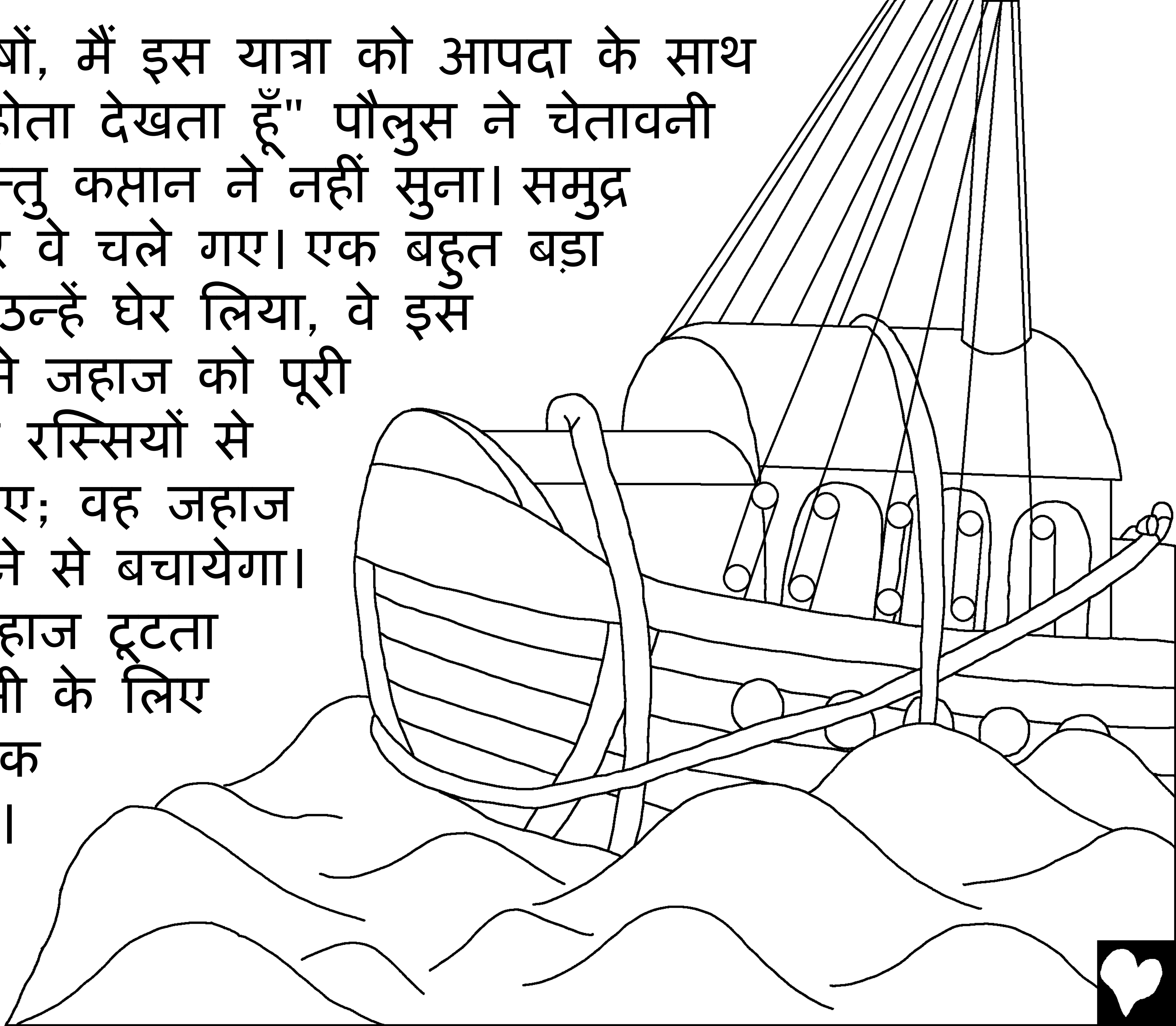

जहाज टूटने वाला था, तभी कप्तान ने सभी को आदेश दिया कि जहाज को हल्का करने में सब मदद करें। तीसरे दिन, वे जहाज पर से सबकुछ फेंक दिया। इस आशा से कि हो सकता है उन्हें इससे मदद मिलेगी।

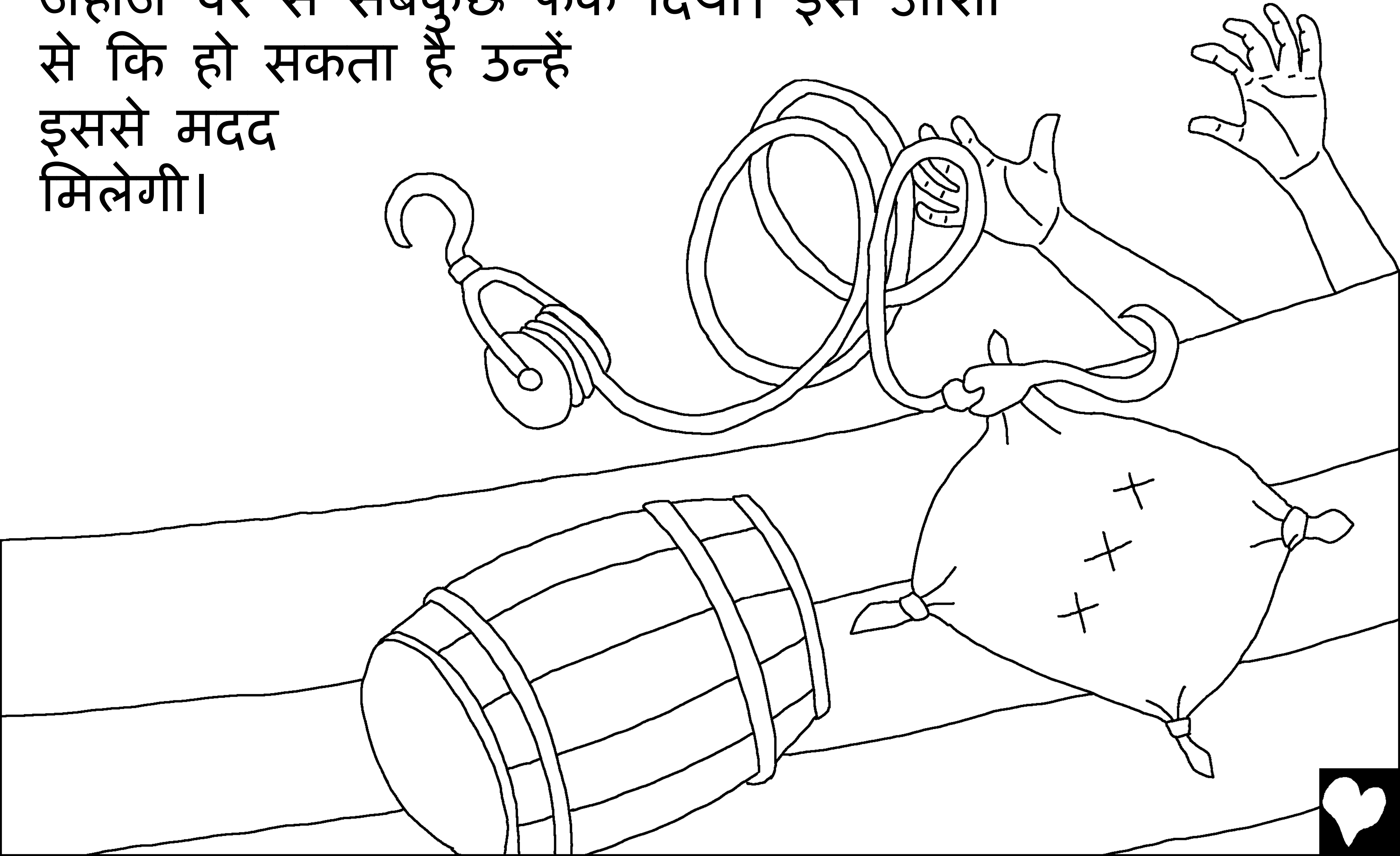

रात के दौरान, पौलुस के पास खड़ा एक दूत ने बताया की सब कुछ ठीक हो जायेगा। पौलुस ने जब दूसरों को बताकर प्रोत्साहित किया तब वे रहत में आये। "पुरुषों, दिल थाम लो, मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हूँ और जैसे मुझे बताया गया था वैसा ही होने वाला है।" हालांकि, हमें शीघ्र ही एक निश्चित द्वीप पर टिकने के लिए चलाना चाहिए।

कुछ दिनों बाद, नाव माल्टा के द्वीप के निकट ठहरा दिया गया। वह चट्टानी छिछले पानी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और टूट कर अलग अलग हो गया। सबसे पहले कप्तान ने तैरने वालों को पानी में कूद कर टापू तक जाने का आदेश दिया, बाकी भी सुरक्षित रूप से जहाज के टूटे हुए टुकड़ों द्वारा और कुछ बोर्ड पर से भाग निकले।

माल्टा में, परमेश्वर ने अपनी शक्ति दिखायी। जब वे आग के लिए लकड़ी इकट्ठा कर जलाये, एक सांप ने पौलुस को काट लिया। लोग सोच रहे थे कि वह मर जाएगा। लेकिन सांप के काटने से उसे कोई नुकसान नहीं हुआ। तब लोगों ने सोचा की पौलुस एक देवता है। बहुत सारे बीमार लोग आए, और पौलुस ने उनके लिए प्रार्थना की, और उसके बाद परमेश्वर ने उन्हें चंगा किया।

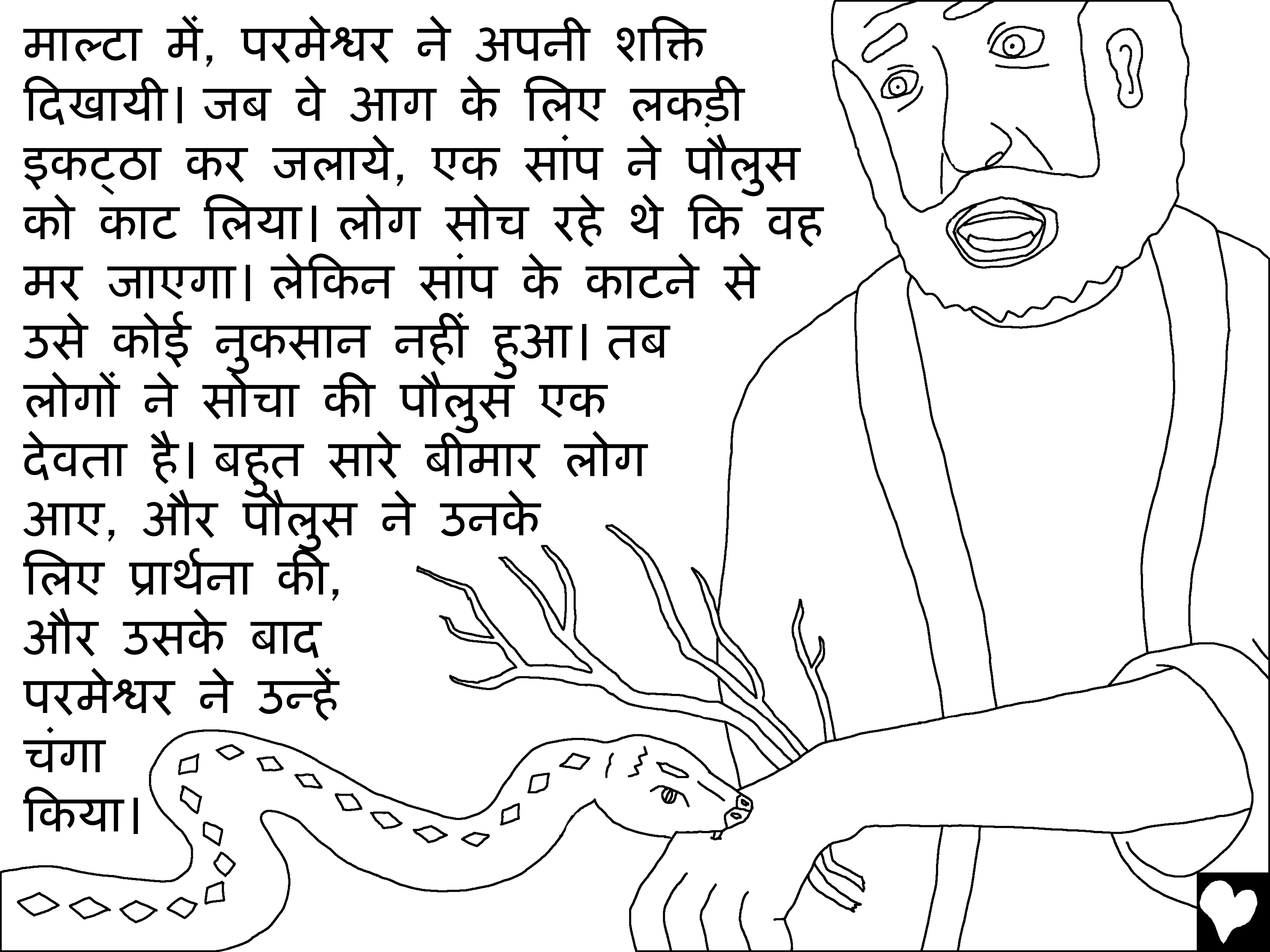

अंत में, पौलुस रोम में पहुंचा। उसके अदालत में मामले की सुनवाई के लिए दो साल का समय लग गया। उस समय के दौरान, पौलुस एक घर किराए पर लिया और ढेर सारे आगंतुकों को प्राप्त करता रहा। आप क्या जानते है कि पौलुस अपने आगंतुकों को क्या बताता था? परमेश्वर के राज्य के बारे में! प्रभु यीशु मसीह के बारे में! पौलुस अब रोम में परमेश्वर का सेवक था जैसे वह उसके सारे अन्य यात्रा के दौरान में था।

पौलुस ने रोम में से लिखा, "मैंने अच्छी कुश्ती लड़ी है, मैंने दौड़ समाप्त कर लिया है, मैंने अपना विश्वास कायम रखा है।" बाइबल उसके जीवन के समापन के बारे में हमें नहीं बताती है, लेकिन अन्य लेखों से पता चलता है कि पौलुस को सम्राट नीरो के आदेश से रोम में मौत की सजा दी गयी थी। परमेश्वर का एक वफादार सेवक, यीशु मसीह के बारे में दूसरों को बताते हुए - जिया और उसकी मौत हो गयी।

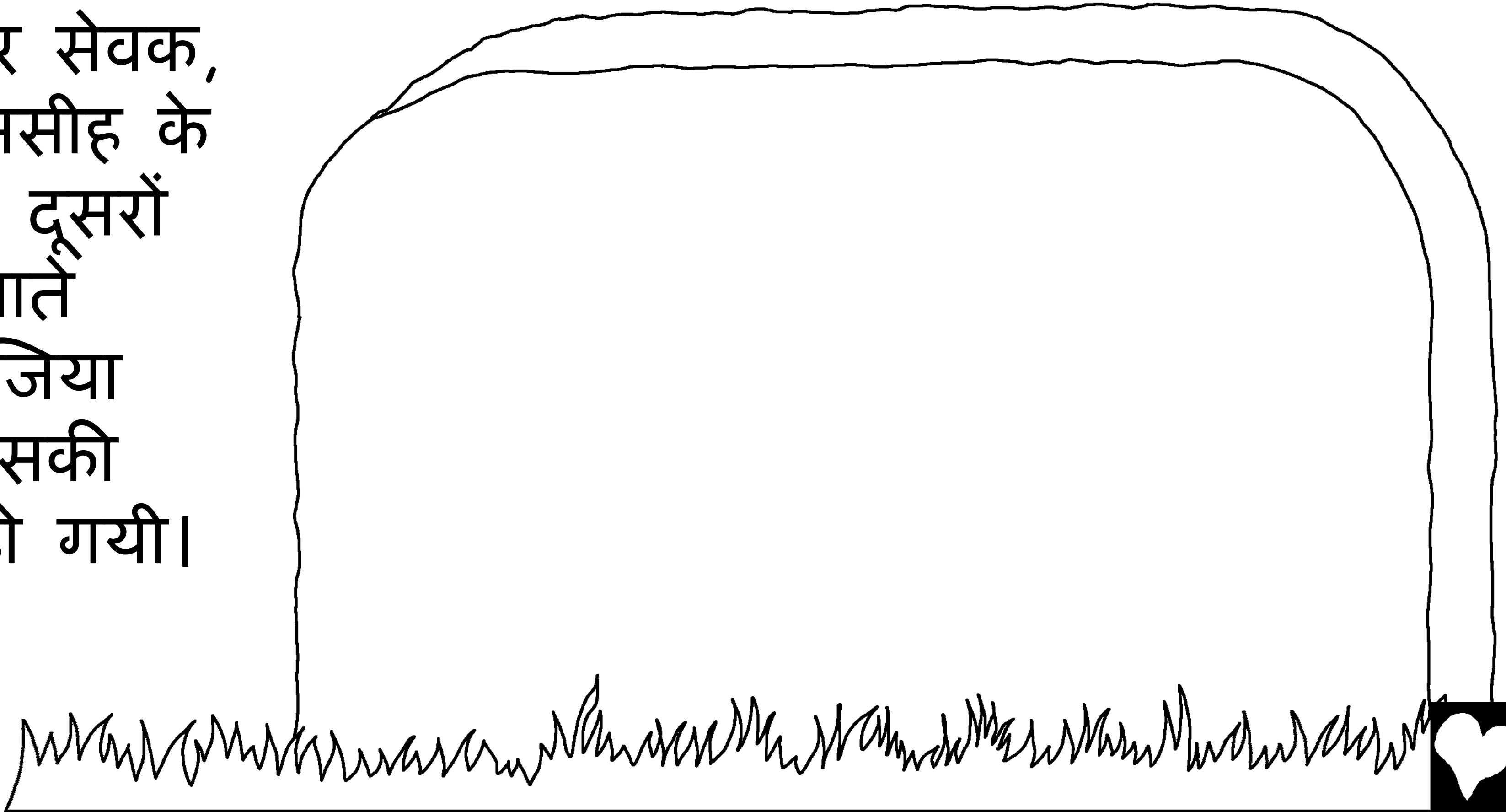

पौलुस की अद्भुत यात्रा

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

प्रेरितों के काम 16, 27, 28

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16